पुस्तकालय अनुभाग

1. पुस्तकालय का नाम	: श्री अग्रदेवाचार्य ग्रन्थागार, ज.रा.रा.सं.विश्वविद्यालय,जयपुर
2. खुलने का समय	: प्रातः 9.30 से सांयः 6.00 तक (राजकीय अवकाश में पुस्तकालय बन्द रहता है।)
3. पाठक	: विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् समस्त छात्र/छात्राऍ, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं अधिकारी । जनसामान्य को उपयोग करने की सुविधा नहीं है।
4. पुस्तकालय स्टॉफ	: 1. श्री सोहनलाल यादव सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष 2. श्री राजेश कुमार शर्मा क.लि. कम कम्प्यूटर ऑपरेटर
5. पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त सेवाऍ	: पुस्तक आदान–प्रदान, सन्दर्भ सेवा, सामयिक अभिग्यता सेवा, चयनित सूचना प्रसार सेवा , वांगमय सूचना सेवा ।
6. संग्रह	: पुस्तकालय में संस्कृत वांगमय के सांगोपांग अध्ययन हेतु वेद, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, व्याकरण, साहित्य, दर्शन, शिक्षा, विश्वकोष, शब्दकोश, हस्तलिखित ग्रन्थ सूचियॉ एवं कम्प्यूटर आदि विषयों की लगभग 31,000 पुस्तकें संग्रहीत हैं। पुस्तकों के अतिरिक्त पाठकों के ज्ञान को अद्यतन बनाए रखने हेतु 50 संस्कृत शोध पत्र–पत्रिकाऍ तथा 25 सामान्य पत्र पत्रिकाऍ का अदभुत संग्रह है।
7. व्यवस्थापन	: संग्रहीत पुस्तकों का पुस्तकालय में व्यवस्थापन पुस्तकालय विज्ञान की द्विबिन्दु वर्गीकरण पद्वति के अनुसार विषयवार वर्गीकृत किया गया है। पत्र–पत्रिकाओं को आकर्षक रूप से अध्ययन कक्ष में पाठकों के उपयोगार्थ प्रदर्शित किया गया है।
8. बैठक व्यवस्था	: पुस्तकालय में पाठकों की सुविधा के लिए अध्ययन कक्ष में 150 छात्रों के एक साथ बैठकर अध्ययन करने की सुविधा है । अनुसंधानकर्ताओं के लिए अलग से 20 रिसर्च क्यूबिकल की व्यवस्था की गई है, जहॉ अनुसंधानकर्ता बैठकर अपना अनुसंधान कार्य कर सकते हैं।
9. पुस्तकालय कम्प्यूटरीकरण	: पाठकों को अपनी वांछित सामग्री खोजने के लिए पुस्तकालय में उपलब्ध ग्रन्थों का ई–ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर में कम्प्यूटरीकरण का कार्य जारी है। कम्प्यूटरकरण हो जाने के पश्चात् पाठक अपनी अध्ययन सामग्री को लेखक, शीर्षक, प्रकाशक व मुख्य की–वर्ड से खोज कर अपने अभिगमों की पूर्ति कर सकते है।